
Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
11th HISTORY
मूल निवासियों
का
विस्थापन
CHAPTER 06 | PART-06
LIVE
07 SEP 2026 || 03:00 PM

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

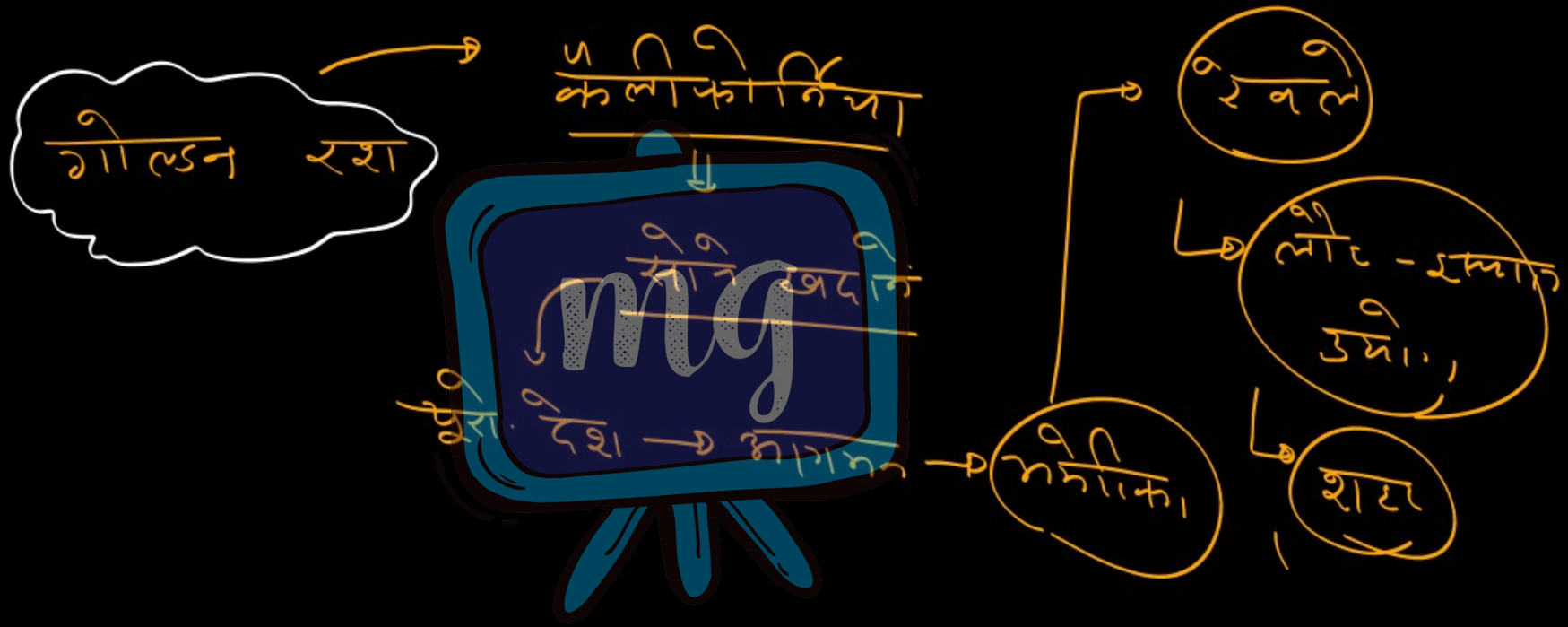
आज क्या पढ़ेंगे ?



1. संवैधानिक अधिकार
2. ऑस्ट्रेलिया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

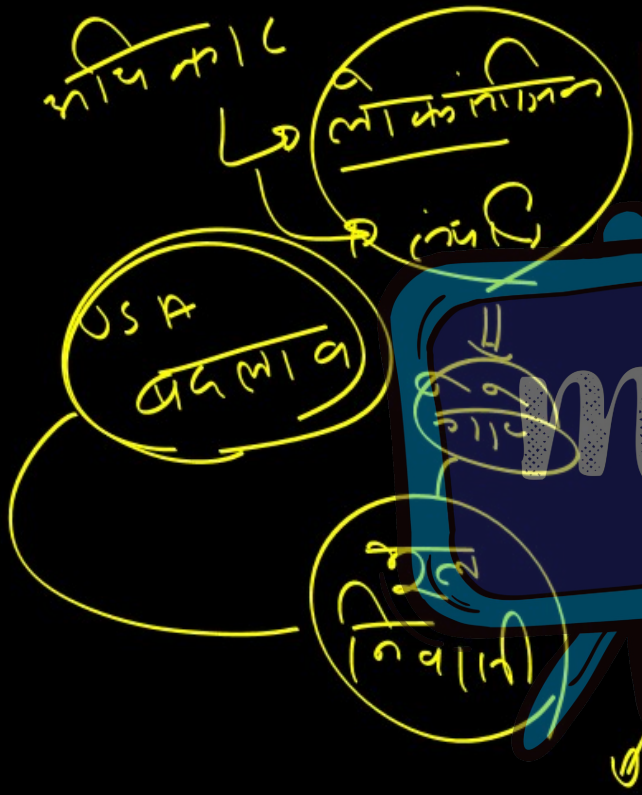
संवैधानिक अधिकार



- संविधान में व्यक्ति के 'संपत्ति के अधिकार' को शामिल किया गया।
- जिसे रद्द करने की छूट राज्य को नहीं थी।
- लेकिन लोकतांत्रिक अधिकार और संपत्ति का अधिकार, दोनों सिर्फ गोरे लोगों के लिए थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बदलाव की लहर...

- संयुक्त राज्य अमरीका में 1928 में समाजवैज्ञानिक लेवाइस मेरिअम के निर्देशन में एक सर्वेक्षण प्रकाशित हुआ।
- 'दि प्रॉब्लम ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन' जिसमें रिज़र्वेशन्स में रह रहे मूल निवासियों की स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की दरिद्रता का चित्र प्रस्तुत किया गया था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **इंडियन रीऑर्गनाईजेशन एक्ट (1934)**
  - रिज़र्वेशन्स में मूल निवासियों को ज़मीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार हासिल हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

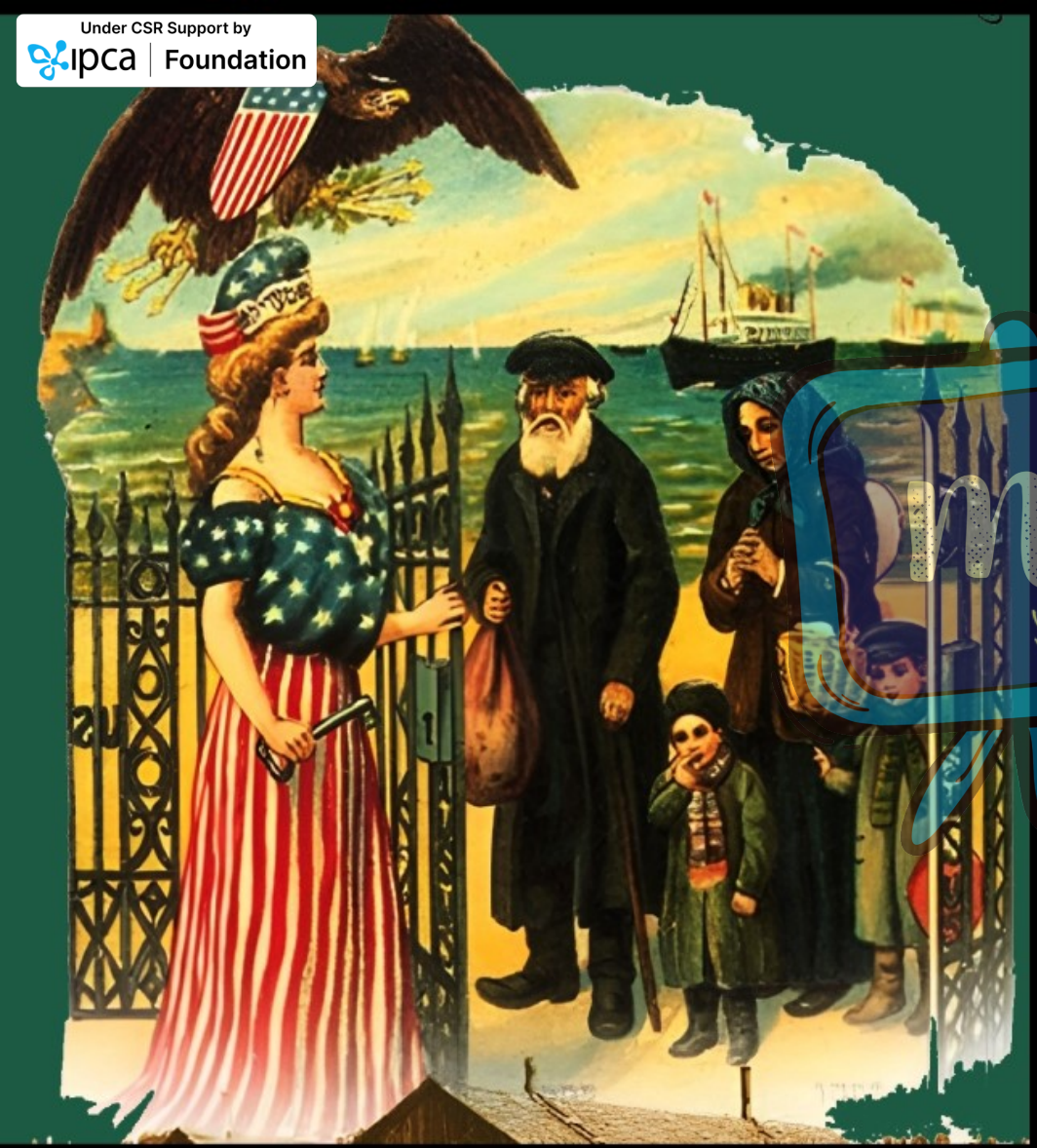
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



❖ 'डिक्लेरेशन ऑफ इंडियन राइट्स' (1954) में मूल निवासियों ने इस शर्त के साथ सं.रा.अ. की नागरिकता स्वीकार की कि उनके रिज़र्वेशन्स वापस नहीं लिए जाएँगे और उनकी परंपराओं में दखलंदाज़ी नहीं की जाएगी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1969 में सरकार ने घोषणा की कि वह "आदिवासी अधिकारों को मान्यता नहीं देगी।"
- मूल निवासियों ने सुसंगठित तरीके से इसका विरोध किया।
- 1982 में एक संवैधानिक धारा के तहत मूल निवासियों के मौजूदा आदिवासी अधिकारों और समझौता-आधारित अधिकारों को स्वीकृति मिली।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों का इतिहास

- 40,000 साल पहले → ऑस्ट्रेलिया में ऐबॉरिजिनीज़ का आगमन।
- वे न्यू गिनी से आए थे।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

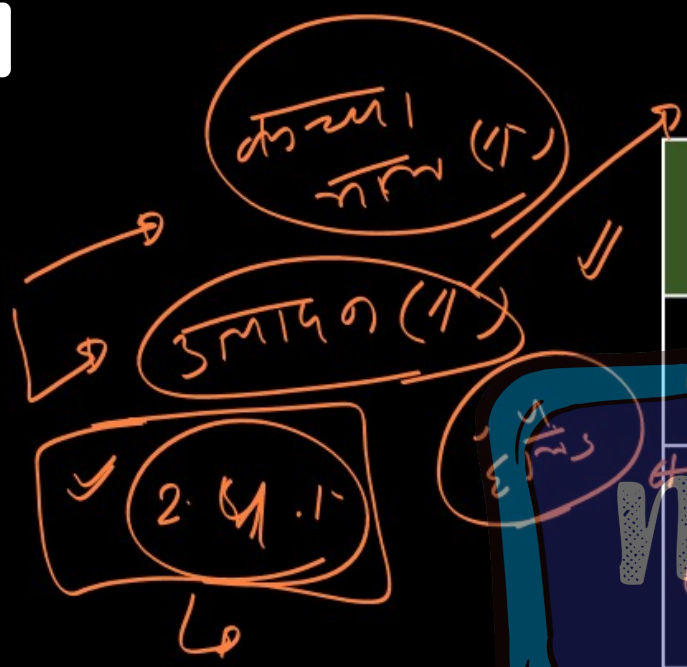
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 18वीं सदी के ऑस्ट्रेलिया में मूल निवासियों के अनेक समुदाय थे।
- हर समुदाय की अपनी भाषा थी।
- देसी लोगों के एक समूह को टॉरस स्ट्रेट टापूवासी कहते हैं।
- 2005 में कुल मिला कर वे ऑस्ट्रेलिया की आबादी का 2.4 फीसदी हिस्सा थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यूरोपियों का आस्ट्रेलिया पहुँचना

1606	डच यात्रियों ने ऑस्ट्रेलिया को देखा।
1642	तास्मान इस टापू पर पहुँचा। बाद में टापू का नाम तस्मानिया रखा गया।
1770	जेम्स कुक बॉटनी खाड़ी पहुँचता है, जिसका नामकरण हुआ, न्यू साउथ वेल्स।
1788	ब्रिटेन के दंडितों की बस्ती बनायी गईं। सिडनी की स्थापना हुई ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती आबादकार इंग्लैंड से आए थे।
  - उन्हें ऑस्ट्रेलिया में स्वतंत्र जीवन जीने की इजाज़त दे दी गई।
  - उन्होंने खेती के लिए ली गई ज़मीन से मूल निवासियों को निकाल दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यूरोपीय बस्तियों के तहत ऑस्ट्रेलिया का आर्थिक विकास –

- भेड़ों के विशाल फार्म और खानें विकसित की गई।
- मदिरा बनाने हेतु अंगूर के बाग़ विकसित किये गए।
- गेहूँ की खेती काफ़ी परिश्रम से विकसित हो पाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1911 में ऑस्ट्रेलिया की राजधानी बनाने के लिए 'वूलव्हीटगोल्ड' नाम का सुझाव दिया गया।
- अंततः उसका नाम कैनबरा रखा गया।
- कैनबरा शब्द कैमबरा से बना है, जिसका अर्थ है, 'सभा-स्थल'।
- चीनी आप्रवासियों ने सस्ता श्रम मुहैया कराया।
- गैर-गोरों पर बढ़ती हुई निर्भरता से सरकारों ने चीनी आप्रवासियों को प्रतिबंधित कर दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आस्ट्रेलिया का विकास

1850	आस्ट्रेलियाई बस्तियों को स्वशासन का अधिकार
1851	चीनी कुलियों का आप्रवास। 1855 में कानून बना कर इसे रोका गया
1851–1961	गोल्ड रश
1901	छह राज्यों को लेकर ऑस्ट्रेलियाई संघ का निर्माण
1911	कैनबरा राजधानी बनाई गई
1948–75	20 लाख यूरोपीय लोग ऑस्ट्रेलिया में आकर बस गए

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बदलाव की लहर...

- 1968 में मानवशास्त्री डब्ल्यू. ई. एच. स्टैनर ने 'दि ग्रेट ऑस्ट्रेलियन साइलेंस' नामक शीर्षक से व्याख्यान दिया।
- इतिहासकारों की मूल निवासियों के बारे में चुप्पी थी।
- हेनरी रेनॉल्ड्स ने 'व्हाइ वरंट वी टोल्ड' ? नामक पुस्तक लिखी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- ऑस्ट्रेलियाई लेखिका ज्यूडिथ राइट ने ऑस्ट्रेलियाई मूल निवासियों के अधिकारों के लिए कविताएँ लिखीं।
- मूल निवासियों की संस्कृतियों का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालयी विभागों की स्थापना हुई है।
- मूल निवासियों ने अपने जीवन-इतिहासों को लिखना शुरू किया है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1974 से 'बहुसंस्कृतिवाद' ऑस्ट्रेलिया की राजकीय नीति रही है।
- सरकार हमेशा से ऑस्ट्रेलिया की ज़मीन को टेरा न्यूलिअस कहती आई थी।
- इसका मतलब था, 'जो किसी की नहीं है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अब कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए-
  - इस बात को मान्यता दी गयी कि मूल निवासियों का ज़मीन के साथ मज़बूत ऐतिहासिक संबंध रहा है, और इसका आदर किया जाना चाहिए।
  - 'गोरों' और 'रंगबिरंगे लोगों' और बच्चों के साथ जो अन्याय किया गया है, उसके लिए माफी माँगी जानी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1974	'गोरे ऑस्ट्रेलिया' की नीति का खात्मा, एशियाई आप्रवासियों को प्रवेश की इजाज़त
1992	ऑस्ट्रेलियाई हाई कोर्ट द्वारा टेरा न्यूलिअस की कानूनी अवैधता की घोषणा और 1770 के पहले से ज़मीन पर मूल निवासियों के दावों को मान्यता
1995	आदिवासी और टॉरस स्ट्रेट टापूवासी बच्चों को उनके परिवारों से अलग किए जाने के मामले में राष्ट्रीय जाँच
1999	1820 से 1970 के दशक के बीच 'गुम हुए' बच्चों से माफीनामे के तौर पर 'राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस' (A National Sorry Day) (26 मई)